स्पेशल टास्क फोर्स, उत्तर प्रदेश
प्रेस नोट संख्याः 231, दि0 02–08–2024

दिनांक 02–08–2024 को एस0टी0एफ0 द्वारा नकली नोटों का व्यवसाय करने वाले 02 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनसे हजारों रूपये के नकली नोट सहित गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरणः–

1– सुमित कुमार पुत्र श्री सुरेन्द्र प्रताप निवासी बनी कोडर थाना राम सनेही घाट, जनपद बाराबंकी।
2– रजत कुमार पुत्र जनेन्द्र कुमार निवासी शिव मंदिर, ठठराही हैदरगढ, जनपद बाराबंकी।

गिरफ्तार अभियुक्तों से बरामदगी

1. रू0– 200 के नकली नोट 500
2. 03 अदद मोबाइल फोन।
3. रू0 630 नकद।

विगत काफी दिनों से एस0टी0एफ0 उत्तर प्रदेश को जाली भारतीय नोट देश के विभिन्न प्रान्तों में आपूर्ति किए जाने एवं नकली नोटों को छापने वाले गिरोहों के सक्रिय होने की सूचनाये प्राप्त हो रही थीं। इस सम्बन्ध एस0टी0एफ0 की विभिन्न इकाईयों/टीमों को अभिसूचना संकलन एवं कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था, जिसके अनुपालन मे श्री दीपक कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक के पर्यवेक्षण में निरीक्षक हेमन्त भूषण सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 तेज बहादुर सिंह, उ0नि0 पीयूष पाठक, मु0आ0 कृष्ण कांत शुक्ला, मु0आ0 सरताज, मु0आ0 सुनील यादव, मु0आ0 शिवानन्द शुक्ला, आ0 राम सिंह यादव, मु0आ0 कमाण्डो रामकेश यादव एस0टी0एफ0 मुख्यालय की एक टीम गठित कर अभिसूचना संकलन की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी।

अभिसूचना संकलन के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि नकली नोट मंगाकर उसका प्रचलन करने वाले लोगों का एक गैंग लखनऊ में सक्रिय है। यह लोग नकली नोटों को खरीदकर उसे बाजार में असली नोटों के रूप में चला रहे हैं। आज दिनांक 02.08.24 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि नकली नोट का व्यापार करने वाले गिरोह का एक व्यक्ति स्मृति विहार चौराहा, आशियाना पर किसी आदमी से मिलने आ रहा है । यदि जल्दी की जाये तो पकडा जा सकता है । इस सूचना पर मुझ निरीक्षक हेमन्त भूषण सिहं के नेतृत्व में गठित टीम उपरोक्त मुखबिर के बताये स्थान स्मृति विहार चौराहा के पास स्मृति उपवन कालोनी के सामने, आशियाना पर पहुंची । जहां पर मुखबिर पूर्व से ही मौजूद मिला । वहां पहुंच कर मुखबिर से समस्त प्रकरण की जानकारी ली गयी और उस गैंग के व्यक्तियों का इंतजार करने लगे । कुछ देर बाद एक व्यक्ति काली टीशर्ट व काला लोअर पहनकर आया जो इधर उधर देखते हुए किसी के आने का इतंजार करने लगा । जिसकी तरफ इशारा करके मुखबिर ने बताया कि यह व्यक्ति उसी गैंग का सदस्य है । कुछ देर इंतजार करने के बाद एक व्यक्ति और आया और पहले से खडे व्यक्ति से कुछ बात करते करते दोनों व्यक्ति आपस में सफेद बंडल का आदान प्रदान करने लगे । जिस पर मुखबिर ने बताया कि सर यही वह है जो लोग नकली नोट का व्यापार करते हैं और चला गया । इस पर हम पुलिस वालों ने आवश्यक बल प्रयोग करते हुए चारों तरफ से घेर कर दोनों व्यक्तियों को पकड लिया जिनसे उपरोक्त बरामदगी हुयी।

उक्त नोटों के सम्बन्ध में पूछने पर रजत ने बताया कि सर मैंने पिछले साल एक लडकी से भाग कर शादी की थी । जिसके बाद से मेरे घर वाले व उस लडकी के घर वाले हम लोगों से अलग हो गये हैं । तभी से काफी आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे । तभी मैंने यह नकली नोट का काम करने के लिये सोचा था । मुझे राम यादव नाम का व्यक्ति यह नकली नोट दिया है । जिसे मैं सुमित के साथ मिलकर बाजार में बेचता हूँ । मैंने इस 01 लाख नकली रूपये के लिए राम यादव को 50 हजार असली रूपये दिये थे । मैंने पहले 2–3 हजार के नकली नोट राम यादव से लिये थे जिनके चलने के बाद ही मैंने अब बडा काम करने के बारे में सोचा था । इसलिए ही मैंने 1 लाख रूपये लिये थे । आज भी मैंने सुमित को नोट देने के लिए बुलाया था जो नोट सुमित से मिले हैं वह मैंने ही उसे दिया है ।

गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध थाना– आशियाना जनपद लखनऊ में मु0अ0सं0 272/2024 धारा 178,179,180 बी0एन0एस0 का अभियोग पंजीकृत कराकर अग्रेतर कार्यवाही स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।